राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल की अध्यक्षता में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना से जुड़े विषयों पर बैठक आयोजित हुई

पटना, 13 अगस्त 2018

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री सत्य पाल मलिक की अध्यक्षता में आज बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना की गतिविधियों और उपलब्धियों पर विचार के लिए एक बैठक राजभवन के सभाकक्ष में आयोजित हुई, जिसमें इस विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ रामेश्वर सिंह सहित विश्वविद्यालय के अन्य पदाधिकारियों तथा राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह एवं राज्यपाल सचिवालय के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल ने कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था कृषि प्रक्षेत्र के विकास पर ही अबलंबित है। उन्होंने कहा कि 'दूसरी हरित क्रांति' बिहार में ही सर्वाधिक रूप में प्रतिफलित होगी। श्री मलिक ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अनाज की उत्पादकता बढ़ाने की एक सीमा है, किन्तु खाद्य–प्रसंस्करण एवं कृषि के अन्य अनुषंगी प्रक्षेत्रों का विकास कर, राज्य को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि दुग्ध–उत्पादकता बढ़ाकर तथा मत्स्य पालन, मुर्गीपालन आदि प्रक्षेत्रों को विकसित कर, कृषि क्षेत्र में 'सतरंगी क्रांति' लायी जा सकती है। श्री मलिक ने कहा कि नवस्थापित बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय राज्य में दुधारू पशुओं की बेहतर नस्लों को विकसित कर किसानों की आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार लाने में पूरा सहयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि किसी किसान के पास अगर अच्छी नस्ल की गायें, भैंसे या बकरियाँ हैं, तो खेती पर उसकी निर्भरता कम होगी तथा दुग्ध–उत्पादन के जरिये उसका आर्थिक सुदृढ़ीकरण संभव हो सकेगा।

राज्यपाल ने कहा कि नवस्थापित बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना विकसित करना नितान्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् या अन्य सहयोगी संस्थाओं/संगठनों –सबसे इस संबंध में समुचित सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए।

बैठक में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं अपेक्षाओं के बारे में अपने 'पावर प्रेजेन्टेशन' के जरिये कुलपति डॉ॰ रामेश्वर सिंह ने महामहिम राज्यपाल को अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत महाविद्यालयों/ संस्थाओं आदि के बारे में व्यापक जानकारी दी। उन्होंने पटना स्थित Institution of Livestock Health & Production, Central Poultry Breeding Farm, Exotic Cattle Breeding Farm तथा Goat Breeding Farm, Purnea और Buffalo Breeding Farm-Sipaya, Gopalganj, तथा Cattle Breeding Farm- Tikuna, Gaya के बारे में भी राज्यपाल को जानकारी दी।

लगातार पृष्ठ....2 पर

कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत नये कॉलेजों/सेन्टरों –यथा Fisheries College, Poultry Research, Centre, Centre for Wildlife Medicine, Animal Biotechnology Centre, Regional Research Station, Gaya & Sipaya आदि की वर्तमान स्थितियों के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी।

कुलपति ने बताया कि नव स्थापित विश्वविद्यालय के University Logo के रूप में राष्ट्रपति भवन के मुख्य द्वार पर स्थापित बिहार से ही उत्खनित 'Depicts of Rampurva Bull of Ashokan Period' को स्वीकृति प्रदान की गई है। कुलपति ने बताया कि –विश्वविद्यालय के परिसर को Clean, Green तथा Zero waste बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 10 नये पाठ्यक्रमों की शुरूआत विश्वविद्यालय में हुई है, जिनमें Master & Ph.D in all 05 disciplines of Dairy Science, Veterinary & Fisheries Science शामिल हैं। उन्होंने बताया कि Poultry Production Wild Life medicine आदि में PG Diploma के नये पाठ्यक्रम भी लागू किए गए हैं। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति–प्राप्त संस्थाओं के साथ 'MoU' हस्ताक्षरित कर विश्वविद्यालय के विकास को गति दी जा रही है।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधीन Veterinary Clinics के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी राज्यपाल को अवगत कराया। कुलपति ने पशु चिकित्सकों एवं पशुपालकों के लिए चलाये जा रहे प्रशिक्षण–कार्यक्रमों, कार्यशालाओं आदि के आयोजन के बारे में भी राज्यपाल को विस्तृत जानकारी दी।

.....